वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2023-24

विजय कॉलेज ग्रुप ऑफ़ एजुकेशन (Run by Vijay Academy of Learning Society) गाजियाबाद सोसाइटी के सदस्यों द्वारा बन्धुत्व रास्ट्रप्रेम की भावना एवं समाज को समृद्ध करने तथा शैक्षणिक संस्थाएं एवं दिव्यांग उपकरण उपलब्ध कराने का कार्य कर रहा है |

विजय एकेडमी लर्निंग सोसायटी गाजियाबाद उत्तर प्रदेश एक स्वयंसेवी संस्था है संस्था जनपद गाजियाबाद के विभिन्न विकास करो में सामाजिक कार्यो का संचालन सफलतापूर्वक कर रही है संस्था के पास पर्याप्त संसाधन और स्टाफ उपलब्ध है संस्था द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन किया गया जिनकी प्रगति रिपोर्ट निम्न अनुसार है

विशेष विद्यालय वर्ष 2019 से गाज़ियाबाद उत्तर प्रदेश में संचालन कर रहा है तथा विशेष शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए संस्था द्वारा विशेष कॉलेज शिक्षा की शुरुवात वर्ष 2024 में की गयी है | जिसके अंतर्गत विद्यार्थियो को विशेष कॉलेज शिक्षा में दो वर्षीय डिप्लोमा कोर्स कराया जा रहा है जिससे अधिक से अधिक विशेष अध्यापको को दिव्यांगजनों की सेवा व शिक्षण करने का मौका मिल सके |

1. **साक्षरता कार्यक्रम:-** कोई भी समाज व राष्ट्र कभी विकास के पूर्ण लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है जब उसे देश के प्रत्येक नागरिक शिक्षित हो एवं अपने कर्तव्यों को समझते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्माण करें शिक्षा के बिना मानव विभिन्न समस्याओं का सामना करता है तो उसके विकास की गति भी अवरोध होती है संसद द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में जनपद गाजियाबाद के महरौली एवं शास्त्री नगर में साक्षरता का कार्यक्रम संचालन किया गया एवं गाजियाबाद के समस्त चालकों पर प्रचार किया गया अब बाबा को अपने स्कूल में दाखिला दिलाने की सलाह दी गई दिव्यांगों के लिए विशेष कर बालिकाओं को स्कूल भेजने के लिए अभिभावकों को प्रेरित किया गया

उद्देश्य:- संस्था का उद्देश्य कार्यक्रमों के द्वारा आम जन समुदाय में दिव्यांग बच्चों बालिकाओं को साक्षर करना है

2. **सांस्कृतिक कार्यक्रम:-** संस्था द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में जनपद गाजियाबाद विकासखंड के अलावा कवि नगर, राज नगर, प्रताप नगर ,विवेक नगर ,विजय नगर ,गोविंदपुरम आदि इलाके में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम के अंतर्गत लुप्त हो रही संस्कृति की सुरक्षा हेतु आम जन समुदाय में जन जागरूकता करने के उद्देश्य विकासखंड गाजियाबाद में सांस्कृतिक कार्यक्रम का

मुख्य कार्यालय पर सफल आयोजन किया गया कार्यक्रम के अध्यक्षता संस्था सचिव ने की एवं इस कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चे दिव्यांग बच्चों ने मनमोहक परिस्थितियों दी कार्यक्रम काफी सराहनीय रहा

उद्देश्य :-संस्था का उद्देश्य कार्यक्रम के द्वारा भारतीय संस्कृति को संरक्षक करना है

3. **महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम:-** बिना महिलाओं के समग्र विकास के ना तो राष्ट्र के विकास की कल्पना को मूर्ख रूप दिया जा सकता है और ना ही बच्चों के महिलाएं जनसंख्या के लगभग आधे भाग का प्रतिनिधित्व करती हैं और हर क्षेत्र में उनकी लगन और निष्ठा अनुकरणीय होती है लेकिन यदि उनकी स्थिति पर संपर्क विचार किया जाए तो यह पाया जाता है कि आज भी उनकी स्थिति विचारणीय है संस्था द्वारा वित्तीय वर्ष 23-24 में महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत गाजियाबाद के वैशाली कौशांबी, चरण बिहार, पटेल नगर ,सिद्धार्थ विहार, राहुल विहार शरद नगर, आदि में परिवार कल्याण केंद्र में महिला एवं बाल विकास विषयपर कार्य किया गया जिसके अंतर्गत संस्था द्वारा परिवार नियोजन महिला स्वास्थ्य बाल स्वास्थ्य हेतु कार्यक्रम आयोजन किया गया इसमें संस्था को देश महिलाओं और बाल स्वास्थ्य पर लोगों को जागरूक करना रहा

4. **दिव्यांग कल्याण कार्यक्रम:-** समाज में दिव्यांगजन के कल्याण एवं प्रोत्साहन के निशांत आवश्यकता है दिव्यंका की दशा में पुनर्वास की जरूरत पड़ती है संसद द्वारा जनपद गाजियाबाद का पंचवटी मालीवाडा नरसिंहपुर शास्त्री नगर केशव नगर, खोदा, बामेटा, इंद्र घड़ी, नूरपुर अकबरपुर ,नूर नगर आदि में दिव्यांगजनों को ढूंढकर उनको संस्था द्वारा चलाए जा रहे विशेष विद्यालय में प्रवेश जलाया और उत्तर प्रदेश सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी योजनाओं से अवगत करवाया इन बच्चों के लिए संस्था हमेशा प्रयास तक रहेगी संस्था ने सामान्य विद्यालय के साथ-साथ दिव्यांग बच्चों को निशुल्क पढ़ने के लिए भी वाहन व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया है और दिव्यांगों को बढ़ाने के लिए प्रतिबध्ध हुई है **संस्था का उद्देश्य** :-लोगों को दिव्यांगजन ऑन के कौशल से परिचित करवाना और उनको सामान्य बच्चों की तरह साक्षर कर रोजगार के लिए प्रोत्साहन देना है

5. **विशेष विद्यालय का संचालन:-** विजय विशेष विद्यालय की स्थापना संस्थान विजय एकेडमी लर्निंग समिति द्वारा दिव्यांगजन के कल्याण और शिक्षा हेतु की गई जिसमें संस्था द्वारा बच्चों को उनके माता-पिता से बात कर उन्हें 5 वर्ष पूर्ण करने के बाद दिव्यांग

प्रमाण पत्र बनवाने के लिए संस्था को और बच्चों को उनके बाबा को प्रोत्साहित किया गया जिसमें संस्था के सहयोग से जिला दिव्यांग का लकड़ी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जिला अस्पताल पर पहुंचकर दिव्यंका प्रमाण पत्र बनवाया गया साथ ही साथ उन्हें उनकी दिव्यंका स्तर को देखते हुए दिव्यांग विशेष विद्यालय में प्रवेश दिया जो की निशुल्क शिक्षा देने का विद्यालय है विशेष विद्यालय द्वारा दिव्यांग बच्चों को निशुल्क किताब कॉपियां ड्रेस खाने का सामान आदि निशुल्क वितरित किया गया विशेष विद्यालय की स्थापना सन 2020 में हुई इसके बाद संस्थान क्षेत्र के सम्मानित जनप्रतिनिधि प्रधान गण क्षेत्र पंचायत सदस्य जनपद के अधिकारीगण के सहयोग और सामाजिक योगदान देने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से सांसद दिव्यांग बच्चों को शिक्षा देने में अग्रसर है संस्था समाज के प्राप्त चंदा से विशेष विद्यालय का संचालन विगत 4 वर्षों से कर रही है

श्रवण वादितार्थ बच्चों के लिए विशेष विद्यालय का संचाल

6. स्कूल के बच्चो के साथ डिप्लोमा के विद्यार्थिओं ने व्यक्तिगत शैक्षणिक कार्यक्रम किया |
7. RCI के आदेशानुसार स्वच्छ भरत अभियान के तहत परिसर में सफाई व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए सफाई का कार्य किया व सफाई क्यों जरुरी है ये समझाकर विद्यार्थियों को जागरूक किया |
8. संस्था के द्वारा समय समय पर दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने एवं विशेष विद्यालय में रजिस्ट्रेशन कराने के लिए कैम्प लगाये
9. संस्था द्वारा समय समय पर बच्चो की बाल सभाएं करवायी जाती हैं
10. संस्था द्वारा 15 अगस्त स्वतंत्रता 24 दिवस के अवसर पर सास्कृतिक कार्यक्रम के तहत उनके मनपसंद गानों पर नृत्य करवाया गया व मिठाइयाँ बांटी गयी जिससे बच्चे बहुत खुश हुए
11. संस्था में बच्चो को शिक्षण के दौरान ही खेल प्रकियाएं भी करायी जाती हैं |
12. संस्था में बच्चों नशा मुक्ति अभियान के तहत नशे के द्वारा होने वाली हानियाँ व दुष्प्रभाव समझाकर नशे व गलत आदतों से दूर रहने की सलाह दी जाती है |
13. संस्था में दिव्यांग बच्चो के स्वास्थय को ध्यान में रखते हुए समय समय पर अनुभवी डॉक्टरों को बुलाकर उनके द्वारा चेक अप व उपचार करवाया जाता है |
14. संस्था में समय समय पर बच्चों के माता पिता को बुलाकर उनके साथ मीटिंग की जाती है तथा उनके बच्चो में होने वाले विकास व सुधार के बारे में बताया व समझाया जाता है |